ग्यूमरी आर्मेनिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और देश के उत्तर पश्चिमी शिराक प्रांत का प्रशासनिक केन्द्र है। उरारतू साम्राज्य के समय ग्यूमरी को कुमायरी कहा जाता था। संभावना है कि इस नाम का उद्गम समीरियन लोगों की भाषा से हुआ होगा, जिन्होंने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था और यहां बस गए थे। आर्मेनिया के कई प्रमुख म्यूज़ियम इसी शहर में हैं, जिनमें मूर्तिकार सर्गेई मेरकुरोव, कवि हवानस शिराज़ एवटीक और अभिनेता मगियर मकर्जियन के हाउस म्यूज़ियम भी शामिल हैं। अस्लामेज़िअन सिस्टर्स हाउस म्यूज़ियम 1880 के दशक में बना था, जहां 700 से ज्यादा रेखा चित्र हैं। कुमायरी एतिहासिक जिला, जो आधुनिक ग्यूमरी का पुराना भाग है, अपने अनूठे स्थापत्य के लिए विख्यात है। यहां 18 वीं और 19 वीं सदी की 1000 से ज्यादा इमारतें हैं। यहाँ का एक विख्यात पर्यटक स्थल है, एल्फाबैट मॉन्युमैंट। जब मैशटॉट्स ने आर्मेनियाई एल्फाबैट्स पर काम शुरु किया तो उस पर भारी दबाव था, क्योंकि इन एल्फाबैट्स का उपयोग इस नए क्रिश्चियन राष्ट्र के लिए बाइबिल की रचना के लिए किया जाना था। मैशटॉट्स ने धर्म को ध्यान में रखते हुए एल्फाबैट्स सृजित किए। उसके कार्य को सम्मानित करने के लिए आर्मेनिया के शिल्पकार जे. तोरोस्यान ने सन् 2005 में उसकी कब्र के पास पत्थर में गढ़े हुए सारे अक्षर स्थापित किए। आर्मेनिया के माउन्ट एरगाट्स की तलहटी में मैशटॉट्स की कब्र के आसपास स्थापित आर्मेनियन एल्फाबैट्स के बीच मैशटॉट्स की मूर्ति भी लगाई गई है।

फूल मोहम्मद हत्याकांड में कोर्ट ने कुल 89 में से 30 आरोपियों को दोषी माना

49 आरोपियों को अदालत ने दोष मुक्त करार दिया

- दोषी आरोपियों में तत्कालीन डी.एस.पी. महेन्द्र सिंह कालबेलिया व मान टाउन थाने के सब इंस्पैक्टर सुमेर सिंह शामिल हैं। सभी 30 दोषियों को जूडिशियल कस्टडी के तहत जेल भेज दिया गया है।
- यह घटना 17 मार्च 2011 की है, जब सवाई माधोपुर के मान टाउन थाना क्षेत्र के सूरवाल गांव में भीड़ ने पुलिस इंस्पैक्टर फूल मोहम्मद की जीप को आग लगा दी थी और घायल फूल मोहम्मद उसमें जिंदा जल गए थे।

सवाई माधोपुर, 16 नवम्बर (निस)। सवाईमाधोपुर जिले के चर्चित सीआई फूल मोहम्मद हत्याकाण्ड मामले में बुधवार को जिला एंव सैशन न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए 89 आरोपियों में से 30 आरोपियों को दोषी माना है और 49 आरोपियों को दोष मुक्त करार दिया है।

न्यायालय ने सभी दोषी 30 आरोपियों को जुडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। न्यायालय की ओर से फैसले की विवेचना करने के बाद 18 नवम्बर को फैसले की कॉपी उपलब्ध करवाई जायेगी। 18 नवम्बर को फैसले की कॉपी सामने आने के बाद ही पता लग पायेगा की किस आरोपी को कितनी सजा मिली है । गौरतलब है कि मानटाउन थाना क्षेत्र में 11 साल पहले 17 मार्च 2011 में पुलिस इंस्पेक्टर फूल मोहम्मद को सूरवाल गांव में जीप में जिंदा जला दिया गया था। मामले की जांच एजेंसी सीबीआई ने दो बाल अपचारी सहित 89 लोगों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया था। लगभग 11 साल 8 माह की न्यायिक ट्रॉयल के दौरान मामले से जुड़े 5 आरोपियों की मौत हो चुकी है। जबकि तीन आरोपी अभी भी फरार हैं, वही दो बाल अपचारियों के विरुद्ध प्रकरण विचाराधीन है। ऐसे में न्यायालय ने तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक महेन्द्र सिंह कालबेलिया व मानटाउन थाने के तत्कालीन सब इंस्पेक्टर सुमेर सिंह सहित 79 लोगों के खिलाफ अपना महत्वपूर्ण फैसला दिया, जिसमें न्यायालय ने तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक महेंद्र सिंह कालबेलिया सहित 30 आरोपियों को दोषी माना है, लेकिन तत्कालीन मानटाउन थानाधिकारी सुमेर सिंह सहित 49 अन्य को दोष मुक्त कर दिया।

दरअसल सवाई माधोपुर के मानटाउन थाना क्षेत्र के सूरवाल गांव में 17 मार्च 2011 को लोग मृतका दाखा देवी के हत्यारों को गिरफ्तार करने और पीड़ित के परिजनों को मुआवजे की मांग कर रहे थे। इसी दौरान राजेश मीणा व बनवारी लाल मीणा नामक युवक बोतलों में पेट्रोल लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गए और आत्महत्या करने की धमकी देने लगे। बनवारी को लोगों ने समझाईश कर नीचे उतार लिया, लेकिन राजेश मीणा पेट्रोल से खुद को आग लगाकर टंकी से नीचे कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। राजेश की मौत के बाद घटना से गुस्साए लोगों ने सुरक्षा की दृष्टि से सूरवाल गांव में तैनात मानटाउन थाने के सीआई फूल मोहम्मद व पुलिस जवानों पर पथराव कर दिया। जान बचाने के प्रयास में फूल मोहम्मद जीप चलाकर भागने लगे तो भीड़ ने उन पर पथराव कर दिया। जीप में मौजूद पुलिसकर्मी जैसे-तैसे वहां से भाग गए। पत्थर लगने से फूल मोहम्मद घायल हो गए। बाद में भीड़ ने जीप, जिसमें घायल फूल मोहम्मद थे, में पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। जिससे उनकी मौत हो गई।

घटना के समय मौके पर पुलिस अधिकारी के रूप में तत्कालीन डीएसपी महेंद्र सिंह कालबेलिया मौजूद थे और पूरी कार्रवाई उनकी निगरानी में ही हो रही थी। इस घटना की पूरी जिम्मेदारी कालबेलिया पर आई। जांच के दौरान भी सीबीआई ने महेंद्र सिंह को उक्त हत्याकांड के लिए दोषी माना था। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार उक्त हत्याकांड में पूर्व डीएसपी कालबेलिया का जुर्म साबित करने में मानटाउन थाने का हिस्ट्री शीटर बदमाश संजय बिहारी सबसे अहम गवाह था। संजय के बयान न्यायालय में न्यायाधीश के समक्ष होने से पहले ही उसकी जयपुर में हत्या हो गई। कोर्ट के फैसले के बाद सभी 30 आरोपियों को जूडिशियल कस्टडी के तहत जेल भेज दिया गया। न्यायालय से जेल जाते समय तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक महेंद्र सिंह कालबेलिया ने मीडिया से कहा कि वे न्यायपालिका का सम्मान करते हैं और उच्च अदालत में अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।"

कांग्रेस ने सरदारशहर से अनिल शर्मा को मैदान में उतारा

- अनिल शर्मा स्व. भंवर लाल शर्मा के पुत्र हैं।
- कांग्रेस ने सहानुभूति लहर के सहारे चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है।
- सरदारशहर में उपचुनाव यहां के विधायक भंवर लाल शर्मा के देहावसान की वजह से करवाया जा रहा है।

जयपुर, 16 नवम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस ने सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव के लिए स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनिल शर्मा की उम्मीदवारी को मंजूरी दी है। एआईसीसी के जनरल सेक्रेट्री इंचार्ज मुकुल वासनिक की ओर से इसकी घोषणा की गई है। अब कांग्रेस के अनिल शर्मा का मुकाबला बीजेपी उम्मीदवार अशोक कुमार पिंचा से होगा।

अनिल शर्मा नामांकन भरने की आखिरी तारीख 17 नवंबर को नामांकन दाखिल भरेंगे। शर्मा को नामांकन दाखिल करवाने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत कई कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का सरदारशहर जाने का प्रोग्राम है।

सरदारशहर की सीट कद्दावर कांग्रेस नेता और 7 बार के विधायक रहे पंडित स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई है। अनिल शर्मा वर्तमान में राजस्थान आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन हैं। उन्हें गहलोत सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है।

यह पहले से तय माना जा रहा था कि, अनिल शर्मा को ही कांग्रेस टिकट देगी। इसका कारण यह है कि सहानुभूति की लहर उनके साथ है। पिछले 4 उपचुनावों में भी सहानुभूति फैक्टर चला है। इसलिए नया प्रयोग करने से कांग्रेस पूरी तरह से बच रही है।

सैमसंग पर 25 हजार रू. का हर्जाना

- कम्पनी को मोबाइल की कीमत बीमा राशि सहित लौटाने के निर्देश।

जयपुर, 16 नवंबर (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने बीमित मोबाइल को सही नहीं करने पर सैमसंग इंडिया सहित अन्य पर 25 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने मोबाइल की कीमत बीमा राशि सहित एक लाख 11 हजार छह सौ रुपए एक माह में अदा करने को कहा है। आयोग ने यह आदेश मनोज अग्रवाल के परिवाद पर दिए। परिवाद में कहा गया कि, परिवादी ने 26 जनवरी 2021 को सैमसंग मोबाइल खरीदा था। मोबाइल कंपनी ने दुर्घटना में मोबाइल खराब होने पर ठीक होने की बात कहकर चार हजार रुपए अतिरिक्त जमा कर लिए। परिवाद के अनुसार, सितंबर माह में मोबाइल उपयोग करने के दौरान दुर्घटनावश गिर गया और उसकी डिस्प्ले डैमेज हो गई। इस पर सर्विस सेंटर ने सौलह सौ रुपए अतिरिक्त जमा कराकर सुविधा देने की बात कही। वहीं बाद में रुपए जमा कराने के बाद भी मोबाइल ठीक करने से इनकार कर दिया। परिवाद में कहा गया कि, कम्पनी ने न तो बीमा राशि लौटाई और ना ही मोबाइल सही करके लौटाया।

लखनऊ में धर्म परिवर्तन के लिए नहीं मानी तो युवती को 4 मंजिल से नीचे फेंककर मार डाला

मृतका निधि अग्रवाल के परिवार वालों का आरोप है कि, सूफियान उनकी बेटी का रोज ब्रेन वॉश कर रहा था, वो नहीं मानी तो उसकी हत्या कर दी

- चार मंजिल से गिरने के बाद निधि को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।
- लिव-इन पार्टनर श्रद्धा के 35 टुकड़े करने वाले अफताब पर इस कदर सनक सवार थी कि उसने श्रद्धा का कटा हुआ सिर आखिरी तक फ्रिज में सजाकर रखा था।

लखनऊ, 16 नवम्बर। दिल्ली में श्रद्धा हत्याकाण्ड के बाद अब लखनऊ में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जबरन धर्म परिवर्तन के नाम पर लखनऊ में 19 साल की निधि को सूफियान नामक शख्स ने बेरहमी से मार दिया। प्रेम के जाल में फंसाकर सूफियान ने निधि का ब्रेन वॉश कर उसका धर्म बदलने की कोशिश की लेकिन जब वो नहीं मानी तो सूफियान से उसे मौत के घाट उतार दिया। सूफियान ने निधि गुप्ता को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। निधि को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

यह मामला लखनऊ के दुबग्गा इलाके का है। सूफियान पर 19 साल की निधि गुप्ता की हत्या का आरोप है। सूफियान ने निधि नाम की लड़की को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। लड़की के परिवार ने सूफियान पर हत्या और जबरन धर्म परिवर्तन का केस दर्ज करवाया है। निधि के परिवार का आरोप है कि सूफियान उनकी बेटी का धर्म बदलना चाहता था। वो कई दिनों से उसे परेशान कर रहा था और साथ ही शादी के लिए दबाव बना रहा था।

लखनऊ में लव जिहाद में मर्डर के आरोपी सूफियान की तलाश तेज हो गई है। सूफियान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने टीमें गठित की है। उसके खिलाफ हत्या और जबरन धर्मांतरण की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वारदात के बाद से सूफियान फरार है। उसके फ्लैट में ताला लटका है। लखनऊ पुलिस की टीम सूफियान के घर पहुंची। पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम भी थी जिसने घटनास्थल का मुआयना किया साथ ही जहां से निधि नीचे फेंका गया था उसकी भी जांच की।

गौरतलब है कि, हाल ही दिल्ली में सामने आए दिल दहला देने वाले श्रद्धा मर्डर केस ने देख को झकझोर कर रख दिया है। इस केस में एक और नया खुलासा हुआ है।

अपने लिव-इन पार्टनर श्रद्धा के 35 टुकड़े करने वाले अफताब पर इस कदर सनक सवार थी कि उसने श्रद्धा का कटा हुआ सिर आखिरी तक फ्रिज में सजाकर रखा था। पुलिस के पूछताछ में उसने बताया कि उसने श्रद्धा का सर अपने पास आखिरी तक रखा और वह अक्सर उसके कटे हुए सिर को फ्रिज में ध्यान से निहारते रहता था और अपनी प्यार की यादें ताजा करता था। पुलिस मंगलवार को पूरे दिन श्रद्धा का सिर ढूंढते रही लेकिन उसे कोई कामयाबी नहीं मिली।

दिल्ली पुलिस आफताब से श्रद्धा से जुड़ी हर राज उगलवाने की कोशिश में लगी हुई है। अब तक की पूछताछ में आफताब ने बताया कि उसने श्रद्धआ के शव के 35 टुकड़े कर दिए थे लेकिन उसके सिर को वह और टुकड़े नहीं कर पाया था। श्रद्धा के सिर के मिलने के बाद ही उसके बॉडी की पहचान हो पाएगी। अगर पुलिस को श्रद्धा का सिर मिल जाता है तो फिर आफताब को कई भी फांसी के फंदे तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता।

बाली शिखर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी धारणाओं के आधार पर कूटनीतिक बयानों का प्रसार करने में भारत को मिली जीत अगले एक वर्ष तक महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी, जब जी-20 की अध्यक्षता भारत के पास होगी।

वैश्विक मीडिया ने भी यूक्रेन संकट पर सर्वानुमति लाने में अंततः भारत की भूमिका को स्वीकार किया, क्योंकि इस संकट को लेकर ही देश इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए। अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ई.यू.) के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की स्पष्ट भर्त्सना करने पर जोर दिया वहीं चीन और उसके कुछ आश्रित देशों ने ऐसी भाषा का प्रयोग करने से इंकार किया।

चीन ने रूस को अपना प्रिय मित्र घोषित किया था और उसने तभी से उसने अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर रूस की स्थिति का पुरजोर समर्थन किया है।

यह सिर्फ रूस का समर्थन करने के बजाए कूटनीतिक मसलों पर अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के लिए अधिक था। चीन ने ताइवान पर कब्जा करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दी थी और अन्तर्राष्ट्रीय विवादित कई क्षेत्रों में इस धमकी को क्रियान्वित भी किया।

उदाहरण के तौर पर चीन ने पूरे दक्षिणी चीन सागर और उसके विशाल संप्रभु क्षेत्र को हथियाने पर जोर दिया था और वियतनाम व फिलीपींस जैसे कुछ तटीय देशों के साथ यह दावा करते हुए झड़प भी की थी कि इन्टरनैशनल शिपिंग चैनल्स के जलमार्ग और तटीय द्वीप उसी के हैं।

चीन ने अपनी हिमालयी सीमा पर स्थित भारत के साथ भी खूनी झड़प की थी। उसका लगातार यह दावा है कि सीमा का अंतिम भू भाग और भारत का एक राज्य उसी के देश का आग है। यह विवादित विचारों और राष्ट्रीय शक्ति के दावे का एक खेल था।

लगता है पश्चिमी देशों ने इस ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर रूस के साथ बातचीत में एक सशक्त मित्र पा लिया है। रूस उद्दंड होने के साथ ही इतना सशक्त व महत्वपूर्ण साबित हुआ है कि उसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती, फिर भी पश्चिमी देशों का रूस पर कोई नियंत्रण नहीं है और प्रतिबंधों व खराब संबंधों ने दोनों पक्षों में और दूरी बना दी है।

इस बिगड़े संबंध में भारतीय मध्यस्था महत्वपूर्ण कारक बन सकती है और लगता है पश्चिमी देशों ने बाली शिखर सम्मेलन के अंत में यही खोज की है।

डैमोक्रैटिक पार्टी ने सीनेट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वे में और भी गंभीर परिणाम तब सामने आए जब उन्हीं प्रतिभागियों का मापन किया गया जिन्होंने बाइडन के प्रदर्शन के प्रति "भारी सहमति" और "भारी असहमति" प्रकट की थी। कुल प्रतिभागियों में से 45 प्रतिशत प्रतिभागियों ने बाइडन के रिकॉर्ड पर भारी असहमति जतायी थी, जबकि 23 प्रतिशत ने उनकी भारी सहारना की थी। इस तरह से उन्हें माइनस 22 की नैट अप्रूवल रेटिंग मिली।

चुनावी साइट फाइव थर्टीरट के अनुसार मुख्य बात यह है कि अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के इस चरण में बाइडन डॉनल्ड ट्रम्प और बराक ओबामा से भी अधिक अलोकप्रिय है।

इस साइट ने राष्ट्रपति के रूप में बाइडन के 664 दिनों के कार्यकाल की तुलना ट्रम्प और ओबामा की इसी समयावधि से की। इसमें ट्रम्प और ओबामा की क्रमशः माइनस 10.6 और 3.4 औसत अप्रूवल रेटिंग की तुलना में बाइडन को माइनस 11.5 की औसत अप्रूवल रेटिंग प्रदान की।

लेकिन मध्यावधि चुनाव इसके भी साक्षी रहे कि डैमोक्रेट प्रत्याशी जॉन फैटरमैन ने पैनसिल्वेनिया सीनेट सीट को फ्लिप किया इससे उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के टाइ-ब्रेकिंग वोट के जरिए सीनेट में डैमोक्रेट्स का बहुमत बना रहा। यह काम राफेल वॉर्नो:क और ह:र्चेल वॉकर के बीच हुए जॉर्जिया के रन-ऑफ इलैक्शन से पहले ही हो गया।

डैमोक्रेटिक पार्टी की केटी हॉब्स एरिज़ोना के गवर्नर पद के चुनाव में सोमवार को विजयी घोषित की गई। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी की कारी लेक को हराया। वर्ष 2020 के चुनाव में लेक का ट्रम्प ने समर्थन किया था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया था। द एसोसिएटेड प्रैस ने सोमवार रात्रि विजेता की घोषणा की।

इसमें हॉब्स की 20 हजार वोटों की लीड बतायी गई थी, तब तक 98 प्रतिशत मतपत्रों की निगती हो चुकी थी।

अपनी वैबसाइट ट्रूथ सोशल पर ट्रम्प ने इस खबर की प्रतिक्रिया में दावा किया कि चुनाव में धांधली की गई है, लेकिन उन्होंने इसके सत्यापन का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। इससे पहले ट्रम्प ने पोस्ट डाली थी: "मेरा मानना है कि हर कोई ऐरिज़ोना की तरफ देख रहा है क्योंकि महान कारी लेक की आसान मानी जाने वाली चुनावी जीत धीरे-धीरे किन्तु एक सुव्यवस्थित तरीके से उनके और अमेरिका की जनता के हाथ से निकली रही है। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए हॉब्स ने ट्वीट किया: "लोकतंत्र के लिए इंतजार किया जा सकता है। धन्यवाद ऐरिज़ोना। मुझे आपकी अगली गवर्नर बनने के लिए फख्र है।

पेंशनर्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कर दी थी तथा यह लोकप्रिय होती जा रही है।

सभी पंजीकृत पेंशनर एसोसिएशनों, पेंशन डिसबर्सिंग बैंकों, भारत सरकार के मंत्रालयों तथा सी.जी.एच.एस. सेन्टरों को निर्देश दे दिये गये हैं कि वे लाइफ सर्टिफिकेट देने के लिये डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट/फेस ऑथेन्टिकेशन टेक्निक व्यवस्था को प्रोत्साहित करें तथा पेंशनरों के "जीवन को सुगम बनाने" के लिये विशेष कैम्प लगायें।

अधिकारियों ने कहा कि कार्मिक मंत्रालय का अधीनस्थ "पेंशन तथा पेंशनर कल्याण विभाग फेस ऑथेन्टिकेशन के जरिये जीवन-प्रमाण पत्र जमा कराने हेतु पूरे नवम्बर माह में एक अभियान चला रहा है।

माकन ने राजस्थान के प्रभारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक सी.एल.पी. मीटिंग में नहीं आने दिये गये थे। तो उस समय क्या स्थिति बनेगी, जब यात्रा राजस्थान पहुँचेगी तथा नाराज विधायक राहुल गांधी की मौजूदगी में लड़ाई की राह अपना लेंगे।

यह सुविदित है कि अजय माकन राहुल गांधी के नज़दीक हैं तथा यह संभावना नहीं लग रही कि उन्होंने इस्तीफा देने का इतना बड़ा कदम राहुल गांधी की जानकारी के बिना उठाया होगा।

जिस दिन माकन का इस्तीफा सार्वजनिक हुआ था, उस दिन सचिन पायलट ने भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी से भेंट की थी।

माकन ने राजस्थान चैप्टर फिर से खोल दिया है जबकि इस पूरे मामले को अनदेखा कराने की कोशिशें की गई थीं तथा सोच लिया गया था कि यह मुद्दा स्वतः ही खत्म हो जायेगा।

अजय माकन महासचिव के रूप में राजस्थान प्रभारी के काम को अंजाम नहीं दे रहे हैं तथा उन्होंने उपचुनाव से संबंधित "बी" फॉर्म पर हस्ताक्षर भी नहीं किये थे। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो केन्द्रीय नेतृत्व ने अशोक गहलोत को हटाये जाने से संबंधित राजस्थान के मामले को निपटाने का मानस बना लिया गया है क्योंकि गहलोत ने यह रुख इख्तियार कर लिया है कि वे पद से नहीं हटेंगे तथा सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे।

सूत्रों का कहना है कि अशोक गहलोत यात्रा का मार्ग बदलवाना चाहते हैं तथा यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि यात्रा गुर्जर-बहुल क्षेत्रों से नहीं गुजरे, क्योंकि वे सब सचिन पायलट समर्थक हैं।

गहलोत ने भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी से मिलने के लिये राठौड़ तथा पी.सी.सी. प्रमुख डोटासरा को भेजा था।

लेकिन समझा जाता है कि उन्हें वहाँ झिड़क दिया गया था तथा वे राहुल गांधी से कोई चर्चा नहीं कर पाये थे।

यह भी समझा जाता है कि राजस्थान यात्रा के लिये रास्ता बदलने की कोई संभावना नहीं है।

आशा की जा रही है कि राजस्थान का अस्थाई प्रभार किसी अन्य महासचिव को दिया जा सकता है तथा इसके लिये कहीं-कहीं अविनाश पांडे के नाम की चर्चा चल रही है। पांडे, अशोक गहलोत के नजदीक तथा उनकी बात को, बिना सोचे-समझे मान लेने वाले माने जाते हैं।

कैश के बदले टिकट

नई दिल्ली, 16 नवंबर (वार्ता)। एसीबी ने नगर निगम चुनाव के लिए टिकट के बदले कथित तौर पर नकदी के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक के रिश्तेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि गोपाल खारी ने सोमवार को एसीबी से गुहार लगायी थी कि पत्नी शोभा खारी को वार्ड नम्बर 69 (कमला नगर) से टिकट देने के एवज में आप विधायक ने पैसे की मांग की थी।

गुजरात में 40 वर्तमान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत जोड़ो यात्रा को जो समर्थन यहाँ मिला था, उससे पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में एक नये जोश का संचार हुआ है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी के दो बड़े नेता- पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया तथा के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार कम से कम सार्वजनिक रूप से तो, आपसी मतभेद भुला चुके प्रतीत हो रहे हैं तथा मिलकर काम करने का वादा कर चुके हैं।

लेकिन गुजरात के चुनाव परिणामों से कर्नाटक पर बहुत असर पड़ने की संभावना है। अगर गुजरात और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा तो कांग्रेस कर्नाटक में और भी ज्यादा उत्साहित एवं आक्रामक दिखाई दे सकती है। लेकिन अगर गुजरात में वह एक बार फिर असफल रहती है तथा हिमाचल प्रदेश, जहाँ उसके जीतने की पूरी-पूरी संभावना है, में भी वह चुनाव हार जाती है, तो कर्नाटक में स्थिति उलटी भी हो सकती है। संयोगवश, हिमाचल में इस बार कांग्रेस के सत्ता में आने की बारी है क्योंकि यह राज्य पिछले तीन दशक से सत्तासीन दल को चुनाव में हराता आया है।

पोलैण्ड में रूस ने मिसाइल दागी?

यूक्रेन और रूस ने इन मिसाइलों के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाये

- पोलैण्ड की सरकार ने भी इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन कहा कि उसने आपातकालीन बैठक बुलाने के बाद कुछ सैन्य इकाइयों को हाई अलर्ट कर दिया है।
- पोलैण्ड के दमकल विभाग ने विस्फोटों का कारण बताये बिना प्रेज़वोडो के पूर्वी शहर में हुए विस्फोट में दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है।

वारसा, 16 नवंबर (वार्ता)। रूस की मिसाइल यूक्रेन की सीमा के पास पोलैण्ड में गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले शुरू करने की रिपोर्टें है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले के बाद क्या हुआ यह स्पष्ट नहीं हैं। वहीं यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाटव के अनुसार, मंगलवार को रूस की ओर से यूक्रेन पर 90 से अधिक मिसाइलें दागी गईं जिसमें से 70 से अधिक मिसाइलों को मार गिराया गया हैं।

पोलैण्ड की सरकार ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन कहा कि उसने आपातकालीन बैठक बुलाने के बाद कुछ सैन्य इकाइयों को हाई अलर्ट कर दिया है।

इससे पहले पोलैण्ड की कुछ मीडिया ने रिपोर्ट दी थी कि रूस की मिसाइलें पोलैण्ड में गिरी हैं। इस बीच यूक्रेन और रूस ने इस के लिए एक दूसरे पर दोषारोपण किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस पर जानबूझकर पोलैण्ड पर हमला करने का आरोप लगाया है। रूस ने यूक्रेन के इन दावों का खंडन किया है। अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय शक्तियों ने कहा है कि वे इस मामले की जांच कर रहे है।

पोलैण्ड के दमकल विभाग ने विस्फोटों का कारण बताये बिना प्रेज़वोडो के पूर्वी शहर में हुए विस्फोट में दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। स्थानीय मीडिया द्वारा ऑनलाइन साझा की जा रही एक तस्वीर में पोलैण्ड की खेत में बड़ा गड्ढा और मिसाइल का अश्वशेष दिया गया है।

महिला के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को समझना चाहिए कि उनके अपशब्दों में वास्तविक इंसान शामिल होते है। इस युवती को एक साधारण सी पिक्चर के लिए यह सब झेलना पड़ा। यह तस्वीर एक ऐसे कार्यक्रम की जिसमें सैंकड़ों लोग थे वहां मैंने तकरीबन 50 लोगों के साथ फोटो खिंचवाई थी। अपने गंदे दिमाग को अपने पास रखो ट्रोलर्स।"

पीड़ित युवती ने कहा कि दक्षिण पंथी लोगों ने मेरी तस्वीर का इस्तेमाल किया। युवती ने पोस्ट में बताया कि "मैं कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम् के सांसद शशि थरुर, जो एक जानेमाने लेखक भी हैं, से एक लिटरेरी फैस्ट में मिली थी और उनके साथ तस्वीर ली थी, लेकिन लोगों ने इस पर बकवास कहानियां बनाना शुरु कर दिया। राइट विंग राजनैतिक फायदे के लिए मेरी तस्वीर का इस्तेमाल कर रहे हैं।" महिला ने कहा कि उसने फोटो हटा ली है।

सूत्रों ने कहा कि अधिकांश राजनैतिक दलों के सोशल मीडिया विभाग के लिए थरुर "सॉफ्ट टारगैट" रहे हैं, जो उन पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं चूकता है, खासकर तब जब किसी महिला के साथ सोशल मीडिया पर उनकी कोई तस्वीर आती है। पूर्व में भी थरुर पर ऐसे हमले हो चुके हैं।

गुजरात में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कही बेहतर रहा है। इस चुनाव में पड़े 9000 वोटों में से उन्हें करीब 1000 वोट मिले थे। गुजरात प्रचार-अभियान से बाहर रख कर क्या थरुर को इस बात की सजा दी जा रही है कि उन्होंने मल्लिकार्जुन का मुकाबला किया जिन्हें अधिकृत प्रत्याशी माना जा रहा था।

थरुर ने इस पर कहा कि कांग्रेस जानती है उसके लिए अच्छा क्या है इसलिए गुजरात में प्रचारकों की लिस्ट से बाहर रहने पर निराश होने का सवाल अप्रासंगिक है।

कहा जा रहा है कि थरुर को एन.एस.यू.आई. के गुजरात में एक कार्यक्रम के लिए बुलाया था पर उन्होंने इंकार कर दिया क्योंकि राज्य के चुनाव प्रचारकों की सूची में उनका नाम नहीं है, जिसमें खड़गे, राहुल, प्रियंका, सोनिया के अलावा मौजूदा मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत, भूपेश बघेल के अलावा पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ, भूपेन्द्र सिंह हूडा और दिग्विजय सिंह का नाम भी हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908